**भारत सरकार** **लोक सभा**
**वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय** **अतारांकित प्रश्न सं. 4254**
**वाणिज्य विभाग**

**दिनांक 19 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**हल्दी के निर्यात के आंकड़े**

**4254 श्री के. ई. प्रकाश:**

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक प्रत्येक वर्ष इरोड और भवानी कारपेट्स से निर्यात की गई हल्दी की मात्रा के आंकड़े क्या हैं;

(ख) उक्त अवधि के दौरान उपरोक्त प्रत्येक उत्पाद श्रेणी के लिए निर्यात की गई मात्रा (टन में) और मूल्य (करोड़ रुपये में) क्या हैं;

(ग) उक्त उत्पादों के लिए वर्ष 2025-26 हेतु निर्धारित निर्यात लक्ष्य और उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रस्तावित उपाय क्या हैं; और

(घ) सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में उक्त जीआई टैग उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए क्या विशिष्ट पहल की गई हैं?

**उत्तर**
**वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री**
**(श्री जितिन प्रसाद)**

(क) से (घ) भारत से हल्दी का निर्यात वर्ष 2019-20 में 1,286.91 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 2,885.39 करोड़ रुपये हो गया है। इसी समान अवधि के दौरान, तमिलनाडु (जिसमें इरोड भी शामिल है) से हल्दी का निर्यात भी 162.53 करोड़ रुपये से बढ़कर 289.68 करोड़ रुपये हो गया है। भारत से वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक प्रत्येक वर्ष हल्दी के निर्यात की मात्रा और मूल्य का विवरण अनुबंध-I में और तमिलनाडु राज्य से निर्यात का विवरण अनुबंध-II में दिया गया है।

मसाला बोर्ड अपनी योजनाओं के तहत, जीआई टैग प्राप्त इरोड मंजल (इरोड हल्दी) सहित जीआई टैग प्राप्त मसालों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाता है, जिनमें क्रेता-विक्रेता

बैठकें (घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय) आयोजित करना, व्यापार मेलों में भागीदारी और सोशल मीडिया अभियान शामिल हैं। इसके अलावा, हल्दी और हल्दी उत्पादों की क्षमता का दोहन करने के लिए, "राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड" का भी गठन किया गया है।

भारत से कालीन निर्यात वर्ष 2019-20 में 9724.84 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 13036.88 करोड़ रुपये हो गया है। इसी समान अवधि के दौरान, तमिलनाडु (जिसमें इरोड भी शामिल है) से कालीन निर्यात 108.63 करोड़ रुपये से बढ़कर 212.25 करोड़ रुपये हो गया है। भारत से वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक प्रत्येक वर्ष कालीन निर्यात की मात्रा और मूल्य का विवरण अनुबंध-III में और तमिलनाडु राज्य से निर्यात का विवरण अनुबंध-IV में दिया गया है।

सरकार कालीन निर्यात और इसके जीआई टैग उत्पादों सहित वस्त्र निर्यात को बढ़ावा देने में लगे विभिन्न निर्यात संवर्धन परिषदों और व्यापार निकायों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है, ताकि अन्य बातों के साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों, क्रेता-विक्रेता बैठकों और जागरूकता अभियानों का आयोजन और उनमें भाग लिया जा सके।

****

**अनुबंध- I**

**दिनांक 19.08.2025 को उत्तर हेतु लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4254 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध**

| भारत से हल्दी का निर्यात | | |
|---|---|---|
| वर्ष | मात्रा (टन में) | मूल्य (करोड़ रुपये में) |
| 2019-20 | 137,650 | 1,286.91 |
| 2020-21 | 183,868 | 1,722.65 |
| 2021-22 | 152,758 | 1,534.42 |
| 2022-23 | 170,085 | 1,666.99 |
| 2023-24 | 162,019 | 1,875.87 |
| 2024-25 | 176,325 | 2,885.39 |

स्रोत: मसाला बोर्ड

**अनुबंध- II**

**दिनांक 19.08.2025 को उत्तर हेतु लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4254 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध**

| तमिलनाडु से हल्दी का निर्यात | | |
|---|---|---|
| वर्ष | मात्रा (टन में) | मूल्य (करोड़ रुपये में) |
| 2019-20 | 16605.79 | 162.53 |
| 2020-21 | 18367.36 | 161.90 |
| 2021-22 | 16831.98 | 173.11 |
| 2022-23 | 16277.38 | 159.94 |
| 2023-24 | 18393.30 | 219.65 |
| 2024-25 | 15784.82 | 289.68 |

स्रोत: मसाला बोर्ड

**अनुबंध- III**

**दिनांक 19.08.2025 को उत्तर हेतु लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4254 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध**

| भारत से कालीनों का निर्यात | | |
|---|---|---|
| वर्ष | मात्रा (मिलियन वर्ग मीटर) | मूल्य (करोड़ रुपये में) |
| 2019-20 | 104.35 | 9724.84 |
| 2020-21 | 121.46 | 11020.43 |
| 2021-22 | 146.24 | 13339.27 |
| 2022-23 | 96.63 | 10961.37 |
| 2023-24 | 107.22 | 11553.19 |
| 2024-25 | 121.49 | 13036.88 |

स्रोत: डीजीसीआईएस

**अनुबंध- IV**

**दिनांक 19.08.2025 को उत्तर हेतु लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4254 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध**

| तमिलनाडु से कालीनों का निर्यात | | |
|---|---|---|
| वर्ष | मात्रा (मिलियन वर्ग मीटर) | मूल्य (करोड़ रुपये में) |
| 2019-20 | 1.64 | 108.63 |
| 2020-21 | 0.99 | 60.96 |
| 2021-22 | 2.00 | 120.98 |
| 2022-23 | 1.70 | 100.77 |
| 2023-24 | 2.82 | 158.73 |
| 2024-25 | 3.55 | 212.25 |

स्रोत: डीजीसीआईएस